

# गुल्मी जिल्लाको पश्चिमी क्षेत्रका लोकगीतको अध्ययन

त्रिभुवन विश्वविद्यालय मानविकी तथा सामाजिकशास्त्र सङ्कायअन्तर्गत

नेपाली एम्.ए. दोस्रो वर्षको दसौं पत्रको प्रयोजनका लागि

भैरहवा बहुमुखी क्याम्पस

नेपाली विभागमा

प्रस्तुत

## शोधपत्र

शोधार्थी

मदनबहादुर कुँवर क्षेत्री

रोल नं. ६९८७, प्राइभेट परीक्षार्थी

शैक्षिक सत्र २०६३/२०६५

२०६७

शोधनिर्देशक  
डा. कपिलदेव लामिछाने  
सहप्राध्यापक

## गुल्मी जिल्लाको पश्चिमी क्षेत्रका लोगगीतको अध्ययन

त्रिभुवन विश्वविद्यालय मानविकी तथा सामाजिकशास्त्र सङ्कायअन्तर्गत  
नेपाली एम्.ए. दोस्रो वर्षको दसौं पत्रको प्रयोजनका लागि  
भैरहवा बहुमुखी क्याम्पस  
नेपाली विभागमा  
प्रस्तुत

### शोधपत्र

शोधार्थी  
मदनबहादुर कुँवर क्षेत्री  
रोल नं. ६९८७, प्राइभेट परीक्षार्थी  
त्रि.वि. द.नं. ३४२७७-९५, शैक्षिक सत्र २०६३/२०६५  
२०६७

त्रिभुवन विश्वविद्यालय  
भैरहवा बहुमुखी क्याम्पस  
नेपाली विभाग  
सिद्धार्थनगर, भैरहवा

मिति : २०६७।७।८

## स्वीकृतिपत्र

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिकशास्त्र सङ्कायअन्तर्गत स्नातकोत्तर तह नेपाली विषयका प्राइभेट छात्र श्री मदनबहादुर कुँवर क्षेत्रीले स्नातकोत्तर तह दोस्रो वर्षको दसौँ पत्रको प्रयोजनका लागि तयार पार्नुभएको “गुल्मी जिल्लाको पश्चिमी क्षेत्रका लोकगीतको अध्ययन” शीर्षकको प्रस्तुत शोधपत्र आवश्यक मूल्याङ्कन गरी स्वीकृत गरिएको छ ।

मूल्याङ्कन समिति

हस्ताक्षर

विभागीय प्रमुख

.....

श्री मदनप्रसाद दवाडी

सहप्राध्यापक

शोधनिर्देशक

.....

डा. कपिलदेव लामिछाने

सहप्राध्यापक

बाह्यपरीक्षक

.....

श्री बालकृष्ण भट्टराई

निवृत्त सहप्राध्यापक

## शोधनिर्देशकको सिफारिस

त्रि.वि., एम्.ए. नेपाली दोस्रो वर्षका प्राइभेट छात्र श्री मदनबहादुर कुँवर क्षेत्रीले मेरो निर्देशनमा दसौँ पत्रको प्रयोजनका निम्ति “गुल्मी जिल्लाको पश्चिमी क्षेत्रका लोकगीतको अध्ययन” शीर्षकको प्रस्तुत शोधकार्य परिश्रमपूर्वक सम्पन्न गर्नुभएको हो । निश्चित क्षेत्रको स्थलगत भ्रमणबाट सङ्कलन गरिएका लोकगीतका सामग्रीलाई विश्लेषण गरिएको यस शोधकार्यबाट म सन्तुष्ट छु । अतः प्रस्तुत शोधपत्रको आवश्यक मूल्याङ्कनको लागि भैरहवा बहुमुखी क्याम्पस नेपाली विभाग समक्ष सिफारिस गर्दछु ।

... ..

डा. कपिलदेव लामिछाने  
सहप्राध्यापक  
भैरहवा बहुमुखी क्याम्पस  
सिद्धार्थनगर, रूपन्देही

मिति : २०६७/५/१७

## कृतज्ञता-ज्ञापन

“गुल्मी जिल्लाको पश्चिमी क्षेत्रका लोकगीतको अध्ययन” शीर्षकको प्रस्तुत शोधकार्य मैले मेरा श्रद्धेय गुरु सहप्राध्यापक डा. कपिलदेव लामिछानेको कुशल निर्देशनमा तयार पारेको हुँ । यस शोधकार्यका लागि उहाँले देखाउनुभएको तत्परता तथा प्रदान गर्नुभएको निर्देशनले गर्दा नै प्रस्तुत शोधकार्य यस रूपमा सम्पन्न हुन सकेको हो । यसका लागि म सहप्राध्यापक श्री कपिलदेव लामिछानेज्युप्रति हृदयदेखि नै आभार तथा कृतज्ञता प्रकट गर्दछु ।

प्रस्तुत शोधकार्य गर्न स्वीकृति प्रदान गर्ने त्रि.वि. भैरहवा बहुमुखी क्याम्पस नेपाली विभागलाई हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापन गर्दछु । शोधकार्यका सिलसिलामा आइपरेका समस्याको समाधान गर्न सल्लाह-सुझाव प्रदान गर्नुहुने भैरहवा बहुमुखी क्याम्पसका श्रद्धेय गुरु सहप्राध्यापक श्री बालकृष्ण भट्टराई, सहप्राध्यापक श्री मदनप्रसाद दवाडी, सहप्राध्यापक डा. दामोदर ढकाल, सहप्राध्यापक डा. घनश्याम न्यौपाने, सहप्राध्यापक श्री डिल्लीराज भट्टराई तथा उपप्राध्यापक श्री वनमालीराज शर्माप्रति म आभारी छु । यसै गरी सामग्री सङ्कलन कार्यमा सहयोग पुऱ्याउने जिल्लाबासी सम्पूर्ण बुबाआमा, दाजुभाइ तथा दिदीबहिनीहरूप्रति पनि म आभार व्यक्त गर्दछु ।

शोधपत्र तयार गर्ने क्रममा प्रत्यक्ष वा अप्रत्यक्ष रूपमा सहयोग गर्ने भाइ दीपेन्द्र कुँवर, बुवा रामबहादुर कुँवर, श्रीमती मधु कुँवर र अन्य महानुभावहरूप्रति अन्तर्हृदयदेखि नै धन्यवाद दिन चाहन्छु । अन्त्यमा शोधपत्रको टड्कणमा सहयोग गर्ने गोल कम्प्युटर इन्स्टिच्युट तथा परिमार्जन र शुद्धीकरण कार्यमा सहयोग गर्ने विद्या कम्प्युटर्स भैरहवाप्रति म धन्यवाद प्रकट गर्न चाहन्छु ।

मदनबहादुर कुँवर क्षेत्री  
त्रिभुवन विश्वविद्यालय  
प्राइभेट परीक्षार्थी

मिति : २०६७/०४ /१७

## विषयसूची

|                                                   |             |
|---------------------------------------------------|-------------|
| <b>अध्याय एक : शोध-परिचय</b>                      | <b>१-४</b>  |
| १.१ शोधशीर्षक                                     | १           |
| १.२ शोधको प्रयोजन                                 | १           |
| १.३ समस्याकथन                                     | १           |
| १.४ शोधको उद्देश्य                                | १           |
| १.५ पूर्वकार्यको समीक्षा                          | २           |
| १.६ शोधको औचित्य, महत्त्व र उपयोगिता              | ३           |
| १.७ शोधकार्यको सीमाङ्कन                           | ३           |
| १.८ सामग्री-सङ्कलन विधि                           | ३           |
| १.९ शोधको ढाँचा र शोधविधि                         | ३           |
| १.१० शोधपत्रको रूपरेखा                            | ३           |
| <br>                                              |             |
| <b>अध्याय दुई : गुल्मी जिल्लाको सामान्य परिचय</b> | <b>५-१३</b> |
| २.१ विषयप्रवेश                                    | ५           |
| २.२ ऐतिहासिक पृष्ठभूमि                            | ५           |
| २.३ भौगोलिक स्थिति                                | ६           |
| २.३.१ क्षेत्रफल र सिमाना                          | ६           |
| २.३.२ धरातलीय स्वरूप                              | ६           |
| २.३.२.१ पहाडी भाग                                 | ७           |
| २.३.२.२ बेसी भाग                                  | ७           |
| २.३.३ हावापानी                                    | ७           |
| २.३.४ नदीनाला                                     | ८           |
| २.३.५ वनजङ्गल र वन्यजन्तु                         | ८           |
| २.४ तीर्थस्थलहरू                                  | ९           |
| २.५ सामाजिक जनजीवन                                | ९           |
| २.५.१ जातजाति                                     | ९           |
| २.५.२ धर्म                                        | १०          |
| २.५.३ भाषा                                        | १०          |

|                |    |
|----------------|----|
| २.५.४ पेसा     | ११ |
| २.५.५ रहनसहन   | १२ |
| २.५.६ संस्कार  | १२ |
| २.५.७ लवाइखवाइ | १३ |
| २.५.८ चाडपर्व  | १३ |

### **अध्याय तीन : लोकगीतको सैद्धान्तिक परिचय** १४-२४

|                                       |    |
|---------------------------------------|----|
| ३.१ विषयप्रवेश                        | १४ |
| ३.२ लोकसाहित्य र लोकगीत               | १४ |
| ३.३ लोकगीतको परिचय र परिभाषा          | १५ |
| ३.४ लोकगीतका विशेषताहरू               | १७ |
| ३.५ लोकगीतको महत्त्व                  | १९ |
| ३.६ लोकगीतको वर्गीकरण र नेपाली लोकगीत | २० |
| ३.७ नेपाली लोकगीतको अध्ययन-परम्परा    | २२ |

### **अध्याय चार : गुल्मी जिल्लाको पश्चिमी क्षेत्रका लोकगीतको अध्ययन** २५-४७

|                                                     |    |
|-----------------------------------------------------|----|
| ४.१ विषयप्रवेश                                      | २५ |
| ४.२ सङ्कलन पद्धति, सङ्कलन क्षेत्र र सङ्कलित सामग्री | २५ |
| ४.३ सङ्कलित लोकगीतको वर्गीकरण                       | २५ |
| ४.४ सङ्कलित लोकगीतको अध्ययन                         | २६ |
| ४.४.१ संस्कार गीत                                   | २६ |
| ४.४.१.१ सिलोक                                       | २७ |
| ४.४.१.२ रत्यौली                                     | २८ |
| ४.४.१.३ खाँडो                                       | २९ |
| ४.४.२ ऋतुकालीन कर्मगीत                              | ३० |
| ४.४.२.१ असारे (बाली)                                | ३० |
| ४.४.२.२ साउने                                       | ३२ |
| ४.४.२.३ दाईगीत                                      | ३३ |
| ४.४.३ पर्वगीत                                       | ३४ |
| ४.४.३.१ तीजेगीत                                     | ३४ |
| ४.४.३.२ भैलो                                        | ३५ |

|                                 |    |
|---------------------------------|----|
| ४.४.३.३ देउसी                   | ३६ |
| ४.४.३.४ मालसिरी                 | ३८ |
| ४.४.३.५ सराएँ                   | ३९ |
| ४.४.३.६ देवाली (कुलपूजा)        | ३९ |
| ४.४.४. बाह्रमासे गीत            | ४० |
| ४.४.४.१ बालगीत                  | ४० |
| ४.४.४.२ भजन-कीर्तन              | ४१ |
| ४.४.४.३ गौँडेगीत                | ४२ |
| ४.४.४.४ धामीभाँक्रीसम्बन्धी गीत | ४३ |
| ४.४.४.५ निर्गुण                 | ४४ |
| ४.४.४.६ गाइने गीत               | ४५ |
| ४.४.४.७ ठाडो र घाँसेगीत         | ४५ |
| ४.४.४.८ भूयाउरे गीत             | ४६ |

**अध्याय पाँच : गुल्मी जिल्लाको पश्चिमी क्षेत्रका लोकगीतको साहित्यिक अध्ययन ४८-६४**

|                              |    |
|------------------------------|----|
| ५.१ विषयप्रवेश               | ४८ |
| ५.२ सामाजिक जीवनको चित्रण    | ४८ |
| ५.३ आर्थिक जीवनको चित्रण     | ५० |
| ५.४ सांस्कृतिक जीवनको चित्रण | ५१ |
| ५.५ नारीजीवनको चित्रण        | ५२ |
| ५.६ प्रकृतिको चित्रण         | ५३ |
| ५.७ संरचना                   | ५४ |
| ५.८ गीतितत्त्व               | ५५ |
| ५.८.१ सन्देश                 | ५५ |
| ५.८.२ भाव                    | ५५ |
| ५.८.३ लय वा भाका             | ५६ |
| ५.८.४ थेगो र पुनरावृत्ति     | ५६ |
| ५.८.५ भाषाशैली               | ५७ |
| ५.९ काव्यतत्त्व              | ५७ |
| ५.९.१ रस                     | ५७ |
| ५.९.२ अलङ्कारविन्यास         | ६० |



|                                     |              |
|-------------------------------------|--------------|
| ५.१० भाषाशैली                       | ६०           |
| <b>अध्याय छ : शोधनिष्कर्ष</b>       | <b>६५-६७</b> |
| ६.१ विषयप्रवेश                      | ६५           |
| ६.२ सारसङ्क्षेप                     | ६५           |
| ६.३ शोधनिष्कर्ष                     | ६६           |
| <b>परिशिष्ट : सङ्कलित लोकगीतहरू</b> | <b>६८-८५</b> |
| <b>सन्दर्भसूची</b>                  | <b>८६</b>    |

## सङ्क्षिप्तकृत शब्दसूची

|                |   |                                  |
|----------------|---|----------------------------------|
| अप्र.          | - | अप्रकाशित                        |
| इ.             | - | इस्वी                            |
| एम्.ए.         | - | मास्टर्स अफ आर्टस् (स्नातकोत्तर) |
| ऐ.             | - | ऐजन                              |
| क्र.सं.        | - | क्रमसङ्ख्या                      |
| गा.वि.स.       | - | गाउँ विकास समिति                 |
| जि.वि.स.       | - | जिल्ला विकास समिति               |
| जि.शि.का.      | - | जिल्ला शिक्षा कार्यालय           |
| डा.            | - | डाक्टर                           |
| त्रि.वि.       | - | त्रिभुवन विश्वविद्यालय           |
| नि.मा.वि.      | - | निम्न माध्यमिक विद्यालय          |
| ने.रा.प्र.प्र. | - | नेपाल राजकीय प्रज्ञा प्रतिष्ठान  |
| पा.वि.के.      | - | पाठ्यक्रम विकास केन्द्र          |
| प्रा.वि.       | - | प्राथमिक विद्यालय                |
| प्र.जि.अ.      | - | प्रमुख जिल्ला अधिकारी            |
| प्रा.लि.       | - | प्राइभेट लिमिटेड                 |
| पृ.            | - | पृष्ठ                            |
| मा.वि.         | - | माध्यमिक विद्यालय                |
| वि.सं.         | - | विक्रम सम्वत्                    |
| संस्क.         | - | संस्करण                          |
| सम्पा.         | - | सम्पादक                          |
| स्वा.के.       | - | स्वास्थ्य केन्द्र                |